महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर (म0प्र0)

।। विश्वविद्यालय कुलगान।।

रचयिता - सुरेन्द्र शर्मा 'सुमन'
सटई रोड, छतरपुर (म0प्र0)
मो0 नं0 97523-59653

चलो जगायें विद्या दायिनि की पूजन परिपाटी को।
शत-शत बार नमन है अपना, इस बुन्देली माटी को।।

शिक्षा का यह केन्द्र विश्वविद्यालय, नव सोपान गढ़े।
सा विद्या या विमुक्तये युत, प्रगति और सम्मान बढ़े।।

तीर्थ जटाशंकर की महिमा और सुहानी घाटी को।
शत-शत बार नमन है अपना, इस बुन्देली माटी को।।

मूर्तिकला का केन्द्र यहीं पर, खजुराहो सा स्थल है।
वीर प्रसवनी भूमि काव्य की, सरिता बहती कल-कल है।।

अभिसिंचित कर रहे सुधीजन अपनी सुरभित वाटी को।
शत-शत बार नमन है अपना, इस बुन्देली माटी को।।

केन, धसान, बेतवा इसकी कहतीं अकथ कहानी है।
टीकमगढ़, सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना लासानी है।।

छत्रसाल की शौर्य भूमि, यश थाती कीर्ति विराटी को।
शत-शत बार नमन है अपना, इस बुन्देली माटी को।।

शत-शत बार नमन है अपना.....

जय हिन्द, जय भारत